

प्रश्न-पत्र की योजना

कक्षा – वरिष्ठोपाध्याय

विषय – जैनदर्शनम्

अवधि – 3 घण्टे 15 मिनट

पूर्णांक – 80

1. उद्देश्य हेतु अंकभार –

| क्र.सं. | उद्देश्य | अंकभार | प्रतिशत |
|---------|------------|--------|---------|
| 1. | ज्ञान | 22 | 27.50 % |
| 2. | अवबोध | 22 | 27.50 % |
| 3. | अभिव्यक्ति | 18 | 22.50 % |
| 4. | मौलिकता | 18 | 22.50 % |
| योग | | 80 | 100 % |

2. प्रश्नों के प्रकारवार अंकभार –

| क्र. सं. | प्रश्नों का प्रकार | प्रश्नों की संख्या | अंक प्रति प्रश्न | कुल अंक प्रतिशत | प्रतिशत प्रश्नों का | संभावित समय |
|----------|---------------------|--------------------|------------------|-----------------|---------------------|-------------|
| 1. | वस्तुनिष्ठ | 12 | 1 | 12.00 | 24.00 | 25 |
| 2. | अतिलघूत्तरात्मक | 18 | 1 | 18.00 | 36.00 | 45 |
| 3. | लघूत्तरात्मक | 13 | 2 | 26.00 | 26.00 | 45 |
| 4. | दीर्घउत्तरीय प्रश्न | 4 | 3 | 12.00 | 08.00 | 30 |
| 5. | निबंधात्मक | 3 | 4 | 12.00 | 06.00 | 50 |
| योग | | 50 | | 80 | 100.00 | 195 |

3. विषय वस्तु का अंकभार –

| क्र.सं. | विषय वस्तु | अंकभार | प्रतिशत |
|---------|------------------------|--------|---------|
| 1 | प्रमाण-सामान्य-प्रकाशः | 20 | 25.00 |
| 2 | प्रत्यक्षप्रकाशः | 20 | 25.00 |
| 3 | परोक्षप्रकाशः | 40 | 50.00 |
| | | 80 | 100% |

प्रश्न-पत्र ब्ल्यू प्रिन्ट

कक्षा — 12

विषय :- जैनदर्शनम्

पूर्णांक — 80

| क्र. सं. | उद्देश्य इकाई/उप इकाई | ज्ञान | | | | | अवबोध | | | | | ज्ञानोपयोग/अभिव्यक्ति | | | | | कौशल/मौलिकता | | | | | योग |
|----------|------------------------|------------|---------|----------------|---------------|-------------|------------|---------|----------------|---------------|-------------|-----------------------|---------|----------------|---------------|-------------|--------------|---------|----------------|---------------|-------------|--------|
| | | वस्तुनिष्ठ | अति.लघु | लघु उत्तरात्मक | दीर्घ उत्तरीय | निबन्धात्मक | वस्तुनिष्ठ | अति.लघु | लघु उत्तरात्मक | दीर्घ उत्तरीय | निबन्धात्मक | वस्तुनिष्ठ | अति.लघु | लघु उत्तरात्मक | दीर्घ उत्तरीय | निबन्धात्मक | वस्तुनिष्ठ | अति.लघु | लघु उत्तरात्मक | दीर्घ उत्तरीय | निबन्धात्मक | |
| 1 | प्रमाण-सामान्य-प्रकाशः | 4(4) | 2(2) | | | | 3(3) | 8(4) | | | | | | | | | | | | 3(1) | | 20(14) |
| 2 | प्रत्यक्षप्रकाशः | 2(2) | 1(1) | | | | 1(1) | | | | | 1(1) | 8(4) | | | | | | | 3(1) | 4(1) | 20(11) |
| 3 | परोक्षप्रकाशः | 6(6) | 3(3) | 4(2) | | | 4(4) | 6(3) | | | | 3(3) | | 6(2) | | | | | | | 8(2) | 40(25) |
| | | 12(12) | 6(6) | 4(2) | | | 8(8) | 14(7) | | | | 4(4) | 8(4) | 6(2) | | | | | | 6(2) | 12(3) | 80(50) |

विकल्पों की योजना :- 21, 22 व 23 में एक आंतरिक विकल्प है।

नोट:- कोष्ठक में बाहर की संख्या अंकों की तथा भीतर प्रश्नों की द्योतक है।

हस्ताक्षर

प्रश्न-पत्र-योजना

कक्षा – वरिष्ठोपाध्यायः

विषयः – जैनदर्शनम्

अवधिः – 3 घण्टे 15 मिनट (सपाद होरात्रयम्)

पूर्णांकाः – 80

1. उद्देश्यानाम् अंकभारः

| क्र.सं. | उद्देश्यम् | अंकभारः | प्रतिशतम् |
|---------|-------------|---------|-----------|
| 1. | ज्ञानम् | 22 | 27.50 % |
| 2. | अवबोधः | 22 | 27.50 % |
| 3. | अभिव्यक्तिः | 18 | 22.50 % |
| 4. | मौलिकता | 18 | 22.50 % |
| योग | | 80 | 100 % |

2. प्रश्नानां प्रकारानुसारम् अंकभारः –

| क्र. सं. | प्रश्नानां प्रकाराः | प्रश्नानां संख्याः | प्रतिप्रश्नम् अंकाः | कुलांकाः% | प्रश्नानां प्रतिशतम् | सम्भावितः समयः |
|----------|--------------------------|--------------------|---------------------|-----------|----------------------|----------------|
| 1. | वस्तुनिष्ठ-प्रश्नाः | 12 | 1 | 12.00 | 24.00 | 25 |
| 2. | अतिलघूत्तरात्मक-प्रश्नाः | 18 | 1 | 18.00 | 36.00 | 45 |
| 3. | लघूत्तरात्मक-प्रश्नाः | 13 | 2 | 26.00 | 26.00 | 45 |
| 4. | दीर्घोत्तरीय-प्रश्नाः | 4 | 3 | 12.00 | 08.00 | 40 |
| 5. | निबंधात्मक-प्रश्ना | 3 | 4 | 12.00 | 06.00 | 40 |
| ० | योगः | 50 | | 80 | 100.00 | 195 |

3. विषयवस्तूनाम् अंकभारः –

| क्र.सं. | विषयवस्तूनि | अंकभारः | प्रतिशतम् |
|---------|------------------------|---------|-----------|
| 1 | प्रमाण-सामान्य-प्रकाशः | 20 | 25.00 |
| 2 | प्रत्यक्षप्रकाशः | 20 | 25.00 |
| 3 | परोक्षप्रकाशः | 40 | 50.00 |
| | | 80 | 100% |

प्रश्न-पत्रस्य नीलपत्रम्, (ब्ल्यू प्रिन्ट)

कक्षा — वरिष्ठोपाध्यायः

विषयः— जैनदर्शनम्

पूर्णांकाः— 80

| क्र. सं. | उद्देश्यम् विधाः/उप विधाः | ज्ञानम् | | | | | अवबोधः | | | | | ज्ञानोपयोगः/अभिव्यक्तिः | | | | | कौशलम्/मौलिकता | | | | | योगः | |
|----------|---------------------------|-------------|----------|---------------|---------------|--------------|-------------|----------|---------------|---------------|--------------|-------------------------|----------|---------------|---------------|--------------|----------------|----------|---------------|---------------|--------------|-------|--------|
| | | वस्तुनिष्ठः | अति.लघु. | लघूत्तरात्मकः | दीर्घोत्तरीयः | निबन्धात्मकः | वस्तुनिष्ठः | अति.लघु. | लघूत्तरात्मकः | दीर्घोत्तरीयः | निबन्धात्मकः | वस्तुनिष्ठः | अति.लघु. | लघूत्तरात्मकः | दीर्घोत्तरीयः | निबन्धात्मकः | वस्तुनिष्ठः | अति.लघु. | लघूत्तरात्मकः | दीर्घोत्तरीयः | निबन्धात्मकः | | |
| 1 | प्रमाण-सामान्य-प्रकाशः | 4(4) | 2(2) | | | | | 3(3) | 8(4) | | | | | | | | | | | | 3(1) | | 20(14) |
| 2 | प्रत्यक्षप्रकाशः | 2(2) | 1(1) | | | | | 1(1) | | | | | 1(1) | 8(4) | | | | | | | 3(1) | 4(1) | 20(11) |
| 3 | परोक्षप्रकाशः | 6(6) | 3(3) | 4(2) | | | | 4(4) | 6(3) | | | | 3(3) | | 6(2) | | | | | | | 8(2) | 40(25) |
| | | 12(12) | 6(6) | 4(2) | | | | 8(8) | 14(7) | | | | 4(4) | 8(4) | 6(2) | | | | | | 6(2) | 12(3) | 80(50) |

विकल्प-योजना :- 21, 22,23 प्रश्नेषु एक आंतरिकविकल्पः अस्ति। अवधेयम्— कोष्ठकात् बहिः संख्या अंकबोधिका आंतरिकसंख्या च प्रश्नबोधिका।

हस्ताक्षरम्

| | | | | | | |
|--|--|--|--|--|--|--|
| | | | | | | |
|--|--|--|--|--|--|--|

No of Question :- 23

No of Printing pages :-

वरिष्ठ उपाध्याय परीक्षा, 2023
जैनदर्शनम्, कोड-52

समय : 3:15 घण्टे

पूर्णांक : 80

परीक्षार्थिभ्यः सामान्यनिर्देशाः

1. परीक्षार्थिभिः सर्वप्रथमं स्वप्रश्नपत्रोपरि नामांकाः अनिवार्यतः लेख्याः ।
2. सर्वे प्रश्नाः अनिवार्याः ।
3. सर्वेषां प्रश्नानामुत्तरण्युत्तरपुस्तिकायामेव लेखनीयानि ।
4. येषु प्रश्नेषु आन्तरिकभागाः सन्ति, ते सर्वे भागाः एकत्र एव लेखनीयाः ।
5. सर्वे प्रश्नाः संस्कृतमाध्यमेन उत्तरणीयाः ।

मॉडल प्रश्नपत्र (आदर्शप्रश्नपत्रम्)
वरिष्ठ उपाध्याय परीक्षा, 2023
जैनदर्शनम्, कोड-52

समय : 3:15 घण्टे

पूर्णांक : 80

1. वस्तुनिष्ठप्रश्नाः—

- (i) न्यायदीपिकाग्रन्थस्य कर्तुः नाम किम् ? 1
(अ) आचार्य माणिक्यनन्दिः (ब) अभिनव धर्मभूषणयतिः
(स) आचार्य पूज्यपादः (द) आचार्य कुन्दकुन्दः
- (ii) किं प्रमाणम् ? 1
(अ) मिथ्याज्ञानम् (ब) सम्यग्ज्ञानम्
(स) केवलज्ञानम् (द) आत्मज्ञानम्
- (iii) अविशंवादि ज्ञानं प्रमाणं केन उक्तम् ? 1
(अ) बौद्धेन (ब) नैयायिकेन
(स) भाट्टेन (द) प्रभाकररीयेन
- (iv) नैयायिकानुसारं प्रमाणलक्षणं किम् ? 1
(अ) प्रमाकरणं प्रमाणम् (ब) सम्यग्ज्ञानं प्रमाणम्
(स) अनुभूतिः प्रमाणम् (द) अनधिगततथाभूतार्थनिश्चायकं प्रमाणम्
- (v) "संशयो हि निर्णय विरोधी नत्वग्रहः" कस्मिन् ग्रन्थे उक्तम् ? 1
(अ) परीक्षामुखे (ब) न्यायदीपिका ग्रन्थे
(स) राजवार्तिकभाष्ये (द) प्रमेयकमल मार्तण्डे
- (vi) "अहंन् एव सर्वज्ञो भवितुमर्हति" कथम् ? 1
(अ) सदोषत्वात् (ब) निर्दोषत्वात्
(स) व्यवहारत्वात् (द) मुक्तत्वात्

- (vii) "अविशद प्रतिभासं" कस्य लक्षणम् ? 1
- (अ) प्रमाणस्य (ब) प्रत्यक्षस्य
- (सं) लक्षणस्य (द) परोक्षस्य
- (viii) " यथा" स देवदत्तः " कस्य उदाहरणमस्ति ? 1
- (अ) स्मृतेः (ब) प्रत्यभिज्ञानस्य
- (स) व्याप्तेः (द) अनुमानस्यः
- (ix) शक्यमभिप्रेतमप्रसिद्ध किम् ? 1
- (अ) प्रमाणम् (ब) साधनम्
- (स) लक्षणम् (द) साध्यम्
- (x) परोपदेशमपेक्ष्य यत्साधनात्साध्य विज्ञानं तत् किम् ? 1
- (अ) अनुमानम् (ब) परार्थानुमानम्
- (स) स्वार्थानुमानम् (द) प्रत्यभिज्ञानम्
- (XI) पक्षसपक्षविपक्षवृत्ति :किम् ? 1
- (अ) असिद्धः (ब) विरुद्धः
- (स) अनैकान्तिकः (द) अकिञ्चितकरः
- (XII) आप्तवाक्यनिबन्धनमर्थज्ञानं किम् ? 1
- (अ) आगमः (ब) उपनयः
- (सं) निगमनम् (द) प्रमाणम्
- 2 रिक्तस्थानानि पूरयत**
- (i) यथा दण्डः पुरुषस्य इति लक्षणस्य दृष्टान्तं विद्यते । 1
- (ii) परिचितस्वग्रामतटाकजलादिः । 1
- (iii) प्रत्यक्षलक्षणं प्राहुः मञ्जसा । 1
- (iv) प्रागनुभूतवस्तु विषया । 1
- (v) साध्यसन्देहापनोदार्थं.....वचनम् । 1
- (vi) सम्यग्दर्शनज्ञानचारित्राणि 1

| | |
|--|---|
| 3 अतिलघूत्तरात्मकप्रश्नाः | 1 |
| (i) बालाः कतिविधः प्रोक्तः ? | 1 |
| (ii) कोऽयमभ्यस्तो विषयः ? | 1 |
| (iii) प्रभाकरीयप्रमाणस्य प्रमाणलक्षणं किम् ? | 1 |
| (iv) देशतो विशदं किम् ? | 1 |
| (v) सर्वद्रव्यपर्यायविषयः कः ? | |
| (vi) तदित्याकाराप्रागनुभूतवस्तुविषया का ? | 1 |
| (vii) साध्यसाधनसम्बन्धाज्ञाननिवृत्तिरूपेहिफले साधकतमः कः ? | 1 |
| (viii) अनुमानं कतिविधम् ? | 1 |
| (ix) धूमवत्त्वादग्निमत्त्वे साध्ये पर्वतः "इति कस्य धर्मिणः दृष्टान्तः ? | 1 |
| (x) के हेत्वाभासाः ? | 1 |
| (xi) उदाहरणलक्षणरहित उदाहरणवदवभासमानः कः ? | 1 |
| (xii) साधनवत्तया पक्षस्य दृष्टान्तसाम्यकथनं किम् ? | 1 |

खण्ड – ब

| | |
|--|---|
| 4. का परीक्षा ? | 2 |
| 5. कः संशयः ? | 2 |
| 6. किमिदं प्रमाणस्य प्रामाण्यं नाम ? | 2 |
| 7. कुमारिलभट्टीयमतानुसारेण प्रमाणस्य लक्षणं किम् ? | 2 |
| 8. का नाम योग्यता ? | 2 |
| 9. किं मुख्यप्रत्यक्षम् ? | 2 |
| 10. कः सर्वज्ञः ? | 2 |
| 11. अरहन्तः एव केवलज्ञान युक्तं कथम् ? | 2 |
| 12. का स्मृतिः ? | 2 |
| 13. कः तर्कः ? | 2 |

14. स्वार्थानुमानस्य त्रीण्यङ्गानि कानि ? 2
15. कः आप्तः ? 2
16. कः आगमः ? 2

खण्ड— स

17. कयोश्चिद् द्वयोः स्वरूपं विवेचयत । $1\frac{1}{2}+1\frac{1}{2} = 3$
(क) विपर्ययः (ख) अनध्यवसायः (1) उद्देशः
18. कयोश्चिद् द्वयोः स्वरूपं लिखत । $1\frac{1}{2}+1\frac{1}{2} = 3$
(क) धारणा (ख) सांत्यव्यावहारिकम् (ग) पारमार्थिकम्
19. कयोश्चिद् द्वयोः विवेचनं कुरुत । $1\frac{1}{2}+1\frac{1}{2} = 3$
(क) विजिगीषुकथा (ख) वीतरागकथा (ग) साधनम्
20. कयोश्चिद् द्वयोः विवेचनं कुरुत! $1\frac{1}{2}+1\frac{1}{2} = 3$
(क) असिद्धः ((9) विरुद्धः (51) अनैकान्तिकः
21. आर्हत्मतानुसारं प्रत्यक्षप्रमाणस्य स्वरूपं विलिख्य सविस्तरं 4
भेदाः अपि निरूपणीयाः ।
अथवा
सर्वज्ञसिद्धिः कार्या ।
22. सप्तभङ्गोः स्वरूपं महत्त्वञ्च प्रतिपादयत । 4
अथवा
हेतोः भेदप्रभेदान् लिखत ।
23. विजिगीषुकथा प्रतिज्ञा हेतु रूप द्वयस्य सार्थक्यं सयुक्तिकं साधयत । 4
अथवा
हेत्वाभासस्य स्वरूपं विलिख्य तस्य भेदान् निरूपयत ।